A B S K M

AKHIL BHARTIYA SANGEET KALA MAHAVIDHYALAY DELHI

CLASSICAL MUSIC (VOCAL)

ABOUT INDIAN CLASSICAL MUSIC

During this 16th century period, Tansen studied music and introduced musical innovations, for about the first sixty years of his life with patronage of the Hindu king Ram Chand of Gwalior, and thereafter performed at the Muslim court of Akbar. Many musicians consider Tansen as the founder of Hindustani music. The classic Sanskrit text Natya Shastra is at the foundation of the numerous classical music and dance traditions of India. Before Natyashastra was finalized, the ancient Indian traditions had classified musical instruments into four groups based on their acoustic principle (how they work, rather than the material they are made of) for example flute which works with gracious in and out flow of air.

HISTORY OF INDIAN CLASSICAL MUSIC

The root of music in ancient India are found in the Vedic literature of Hinduism. The earliest Indian thought combined three arts, syllabic recital (vadya), melos (gita) and dance (nrtta). As these fields developed, sangeeta became a distinct genre of art, in a form equivalent to contemporary music. This likely occurred before the time of Yäska (c. 500 BCE), since he includes these terms in his nirukta studies, one of the six Vedanga of ancient Indian tradition. Some of the ancient texts of Hinduism such as the Samaveda (c. 1000 BCE) are structured entirely to melodic themes, it is sections of Rigveda set to music. The Samaveda is organized into two formats. One part is based on the musical meter, another by the aim of the rituals.[19] The text is written with embedded coding, where swaras (octave notes) are either shown above or within the text, or the verse is written into parvans (knot or member); in simple words, this embedded code of swaras is like the skeleton of the song.The swaras have about 12 different forms and different combinations of these swaras are made to sit under the names of different ragas.

AKHIL BHARTIYA SANGEET KALA MAHAVIDHYALAY DELHI

- **षड़ज (FIRST YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS — 50)**

प्रायोगिक परीक्षा (Practical Examination)

1. **स्वर साधना *(Voice Training)***

- शुद्ध स्वरों का अभ्यास (सा से सां तक)
- आरोह–अवरोह का अभ्यास
- आकार (Aakar) में स्वर लगाना
- सही सुर, लय एवं आवाज़ की स्पष्टता

2. अ**लंकार *(Alankar)***

- कम से कम 10 सरल अलंकार तीनों लयों (विलंबित, मध्य, द्रुत) में।
- आकार एवं सरगम दोनों में प्रस्तुति।

3. रा**ग अभ्यास निम्न में से किसी भी *2* रागों का अध्ययन एवं प्रस्तुतीकरण:**

- राग यमन
- राग भूपाली
- राग बिलावल
- राग काफी

प्रत्येक राग में:

- आरोह–अवरोह
- पकड़
- छोटा ख़याल / बंदिश
- सरल आलाप

4. ता**ल ज्ञान**

- दादरा (6 मात्रा)
- कहरवा (8 मात्रा)
- तीनताल (16 मात्रा)
- एकताल (12 मात्रा)

प्रत्येक ताल का ठेका बोलकर एवं ताली–खाली के साथ प्रस्तुत करना।
भजन / देशभक्ति गीत

5. **किसी *1* भजन या *1* देशभक्ति गीत की प्रस्तुति।**

- **ऋषभा (SECOND YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS — 100)**

प्रायोगिक परीक्षा *(PRACTICAL EXAMINATION)*

1. **स्वर साधना *(Voice Training)***

- शुद्ध एवं विकृत स्वरों का नियमित अभ्यास।
- मंद्र, मध्य एवं तार सप्तक में स्वर अभ्यास।
- आकार, ईकार एवं ऊकार में स्वर लगाना।

2. अ**लंकार *(Alankar)***

- 15 अलंकार तीनों लयों (विलंबित, मध्य, द्रुत) में।
- शुद्ध एवं कोमल स्वरों के साथ अभ्यास।

3. **राग प्रस्तुति निम्न में से किसी भी 3 रागों का अध्ययन एवं प्रस्तुतीकरण:**

- यमन
- भूपाली
- काफी
- बिलावल
- दुर्गा
- देशकार

प्रत्येक राग में:

- आरोह–अवरोह
- पकड़
- छोटा ख़याल / बंदिश
- सरल आलाप एवं तान

4. त**ाल ज्ञान**

- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- दादरा
- कहरवा

ठेका, ताली–खाली एवं दुगुन प्रस्तुत करना।

5. **सुगम संगीत**

- भजन
- देशभक्ति गीत
- लोकगीत

A B S K M

- **गंधर्व (THIRD YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 75)**
- **VIVA AND THEORY (FULL MARK - 50**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

1. स्वर साधना (Advanced Voice Training)

- तीनों सप्तकों में स्वर साधना।
- आकार, ईकार, ऊकार में अभ्यास।
- मींड, खटका, मुरकी एवं गमक का प्रारंभिक अभ्यास।
- विभिन्न लयों में स्वर नियंत्रण।

2. राग प्रस्तुति

निम्न में से किसी भी 5 रागों का प्रस्तुतीकरण:

- यमन
- भूपाली
- काफी
- बागेश्री
- भीमपलासी
- दुर्गा
- खमाज

प्रत्येक राग में:

- आरोह–अवरोह
- पकड़
- वादी–संवादी
- छोटा ख़याल
- विस्तृत आलाप
- बोल-आलाप
- सरल बोल-तान एवं सरगम

3. ताल ज्ञान

- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- रूपक
- दादरा
- कहरवा
- दुगुन, तिगुन एवं सरल तिहाई का अभ्यास।

4. उपशास्त्रीय संगीत

- 1 भजन
- 1 लोकगीत
- 1 ग़ज़ल

मौखिक परीक्षा (VIVA)

- ठाट एवं राग परिचय
- वादी–संवादी
- तालों की संरचना
- प्रमुख संगीतज्ञों का परिचय

A B S K M

- **मध्यमा (FOURTH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 100)**
- **VIVA AND THEORY(FULL MARK - 50)**

प्रायोगिक परीक्षा *(PRACTICAL EXAMINATION)*

1. स्वर साधना
- उन्नत स्वर अभ्यास।
- मींड, गमक, खटका एवं मुरकी का अभ्यास।
- तीनों सप्तकों में स्वर नियंत्रण।

2. राग प्रस्तुति
निम्न में से किसी भी *6* रागों का प्रस्तुतीकरण:
- यमन
- भीमपलासी
- बागेश्री
- भैरव
- केदार
- देश
- मालकौंस
- खमाज

प्रत्येक राग में:
- छोटा एवं मध्य लय ख़याल
- विस्तृत आलाप
- बोल-आलाप
- सरगम
- बोल-तान

3. ताल ज्ञान
- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- रूपक
- दीपचंदी
- धमार
- दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं तिहाई का प्रदर्शन।

4. उपशास्त्रीय संगीत
- 1 ठुमरी
- 1 भजन
- 1 ग़ज़ल
- 1 लोकगीत

मौखिक परीक्षा (VIVA)
- रागों का तुलनात्मक अध्ययन
- ठाट प्रणाली
- गायकी की शैलियाँ
- प्रमुख संगीतज्ञ एवं घरानों का परिचय

- **पंचमा(प्रथम) (FIFTH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 125)**
- **VIVA AND THEORY(FULL MARK - 75)**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

1. स्वर साधना
- उन्नत रियाज़ एवं स्वर नियंत्रण।
- मींड, गमक, खटका, मुरकी एवं तानों का अभ्यास।

2. राग प्रस्तुति
निम्न में से किसी भी 7 रागों का प्रस्तुतीकरण:
- यमन
- भैरव
- मालकौंस
- दरबारी कान्हड़ा
- बागेश्री
- केदार
- देश
- बृंदावनी सारंग
- मारवा

प्रत्येक राग में:
- मध्य एवं द्रुत ख़याल
- विस्तृत आलाप
- बोल-आलाप
- सरगम
- बोल-तान
- विभिन्न प्रकार की तानें

3. ताल ज्ञान
- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- रूपक
- धमार
- दीपचंदी
- आड़ा चौताल

4. उपशास्त्रीय संगीत
- 1 ठुमरी
- 1 दादरा
- 1 भजन
- 1 ग़ज़ल

मौखिक परीक्षा (VIVA)
- रागों का गहन अध्ययन
- घरानों का परिचय
- राग समय सिद्धांत
- भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास

A B S K M

- **पंचमा (पुर्ण) (SIXTH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 125)**
- **VIVA AND THEORY(FULL MARK - 75)**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

विद्यार्थी को 30–40 मिनट की प्रस्तुति देनी होगी।

1. स्वर साधना

- तीनों सप्तकों में उन्नत स्वर साधना।
- गमक, मींड, मुरकी, खटका एवं तेज तानों का अभ्यास।
- रागानुसार स्वर संयोजन।

2. राग प्रस्तुति

निम्न में से किसी भी 8 रागों का प्रस्तुतीकरण:

- यमन
- भैरव
- दरबारी कान्हड़ा
- मालकौंस
- केदार
- मारवा
- मुल्तानी
- पूरिया धनाश्री
- भीमपलासी
- ललित
- प्रत्येक राग में:
- मध्य एवं द्रुत ख़याल
- विस्तृत आलाप
- बोल-आलाप
- सरगम
- बोल-तान
- सपाट, वक्र एवं गमकयुक्त तानें

3. ताल एवं लयकारी

- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- रूपक
- धमार
- दीपचंदी
- आड़ा चौताल
- दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं तिहाई का प्रदर्शन।

4. उपशास्त्रीय संगीत

- 1 ठुमरी
- 1 दादरा
- 1 तराना
- 1 भजन

मौखिक परीक्षा (VIVA)

- रागों का तुलनात्मक अध्ययन
- ठाट एवं राग वर्गीकरण
- प्रमुख घरानों का परिचय
- लयकारी एवं ताल प्रणाली
- भारतीय संगीत का इतिहास एवं प्रमुख संगीताचार्यों का योगदान

A B S K M

- **पुर्णा (विशारदा) (SEVENTH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 100)**
- **VIVA AND THEORY (FULL MARK - 50)**
- **INTERNSHIP (FULL MARKS - 100)**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

विद्यार्थी को *45* मिनट की मंचीय प्रस्तुति देनी होगी।

1. राग प्रस्तुति

निम्न में से किसी भी *8* रागों का अध्ययन एवं प्रस्तुतीकरण:

- यमन
- मारवा
- मुल्तानी
- दरबारी कान्हड़ा
- मालकौंस
- केदार
- पूरिया धनाश्री
- ललित
- शुद्ध कल्याण
- भीमपलासी

प्रत्येक राग में:

- विलंबित एवं द्रुत ख़याल
- विस्तृत आलाप, बोल-आलाप एवं बोल-तान
- सरगम एवं मेरुखंड आधारित तानें
- सपाट, वक्र एवं गमकयुक्त तानें
- राग की शुद्धता एवं भावपूर्ण प्रस्तुति
- कम से कम 25 मिनट का विस्तृत राग-विस्तार

2. उपशास्त्रीय संगीत

- 1 ठुमरी
- 1 दादरा
- 1 भजन
- 1 ग़ज़ल

3. ताल एवं लयकारी

- तीनताल
- एकताल
- झपताल
- रूपक
- दीपचंदी
- धमार
- आड़ा चौताल
- विभिन्न लयकारी *(दुगुन, तिगुन, चौगुन)* सहित प्रस्तुति।

मौखिक परीक्षा (VIVA)

- रागों का तुलनात्मक अध्ययन
- ठाट प्रणाली एवं राग वर्गीकरण
- विभिन्न घरानों की गायकी शैली
- प्रमुख संगीतज्ञों का योगदान
- मंच प्रस्तुति एवं रियाज़ पद्धति

इंटर्नशिप (INTERNSHIP)

- 25 घंटे का शिक्षण प्रशिक्षण
- जूनियर विद्यार्थियों की रियाज़ कक्षा संचालित करना
- एक लाइव प्रस्तुति में सहभागिता एवं रिपोर्ट तैयार करना

A B S K M

AKHIL BHARTIYA SANGEET KALA MAHAVIDHYALAY DELHI

- **संगीत संपुर्णा (EIGHTH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 100)**
- **VIVA AND THEORY (FULL MARK - 50)**
- **INTERNSHIP (FULL MARKS - 100)**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

विद्यार्थी को 60 मिनट की पेशेवर प्रस्तुति देनी होगी।

1. राग प्रस्तुति

कम से कम 9 रागों का गहन अध्ययन।

प्रत्येक राग में:

- विलंबित, मध्य एवं द्रुत ख़याल
- विस्तृत आलाप एवं बोल-आलाप
- मेरुखंड, बोल-तान एवं जटिल तानें
- राग की रचनात्मक प्रस्तुति
- कम से कम 30 मिनट का विस्तृत राग-विस्तार

2. उपशास्त्रीय संगीत

- 1 ठुमरी
- 1 दादरा
- 1 तराना
- 1 कजरी / चैती / झूला (कोई एक)
- 1 भजन या ग़ज़ल

3. ताल एवं लयकारी

- जटिल लयकारी
- तिहाई निर्माण
- चक्रदार तिहाई
- विभिन्न मात्राओं में प्रवेश एवं सम पर समाप्ति

मौखिक परीक्षा (VIVA)

- संगीत सौंदर्यशास्त्र
- घरानों का तुलनात्मक अध्ययन
- रागों का समय सिद्धांत
- मंच संचालन एवं प्रस्तुति कला
- भारतीय शास्त्रीय संगीत का विकास

इंटर्नशिप (INTERNSHIP)

- 35 घंटे का प्रशिक्षण
- एक संगीत कार्यशाला में सहायक प्रशिक्षक के रूप में कार्य
- जूनियर बैच का मूल्यांकन
- प्रस्तुति रिपोर्ट एवं Viva

A B S K M

AKHIL BHARTIYA SANGEET KALA MAHAVIDHYALAY DELHI

- **संगीताचार्य (NINETH YEAR) PRACTICAL (FULL MARKS - 100)**
- **VIVA AND THEORY (FULL MARK - 50)**
- **INTERNSHIP (FULL MARKS - 100)**

प्रायोगिक परीक्षा (PRACTICAL EXAMINATION)

विद्यार्थी को 75–90 मिनट की पूर्ण कॉन्सर्ट शैली (Concert Format) में प्रस्तुति देनी होगी।

1. राग प्रस्तुति
कम से कम 10–12 प्रमुख रागों का गहन अध्ययन।
प्रत्येक प्रस्तुति में:

- विलंबित बड़ा ख़याल
- मध्य एवं द्रुत ख़याल
- विस्तृत आलाप
- बोल-आलाप
- बोल-तान
- सरगम
- गमक, मींड, खटका, मुरकी एवं विविध तानें
- राग की परिपक्व एवं प्रभावशाली प्रस्तुति

2. उपशास्त्रीय संगीत

- ठुमरी
- दादरा
- टप्पा
- तराना
- भजन
- ग़ज़ल
- कजरी / चैती (कोई एक)

3. ताल एवं लयकारी

- सभी प्रमुख तालों में उच्च स्तरीय प्रस्तुति
- जटिल तिहाइयाँ
- चक्रदार तिहाई
- लय परिवर्तन एवं Layakari Demonstration
- तबला संगत के साथ समन्वय

A B S K M

AKHIL BHARTIYA SANGEET KALA MAHAVIDHYALAY DELHI

मौखिक परीक्षा (VIVA)

- भारतीय संगीत का विस्तृत इतिहास
- घरानों का विश्लेषण
- रागों का तुलनात्मक अध्ययन
- संगीत शिक्षण पद्धति
- मंच संचालन, कलाकार आचार-संहिता एवं प्रस्तुति कौशल

इंटर्नशिप (INTERNSHIP)

- 50 घंटे का शिक्षण एवं प्रदर्शन प्रशिक्षण
- स्वतंत्र रूप से कक्षाओं का संचालन
- एक पूर्ण शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन एवं प्रस्तुतीकरण
- शोध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट (लगभग 3000–5000 शब्द)
- अंतिम Viva एवं संस्थान द्वारा समग्र मूल्यांकन